विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग सप्तम्, विषय- हिंदी

दिनांक- 16-11-20

Based on NCERT pattern

||अध्ययन सामग्री ||

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कक्षा से लगातार आप

पाठ -11 'कर्तव्य का पुण्य' कहानी को

पढ़ते आ रहे हैं ।

अब तक की कक्षा में आपने पढ़ा -यमराज

किसान से प्रश्न पूछते हैं कल के साथ सब

जाते हुए कहता है कि मैंने तो कोई विशेष कर्म नहीं किया है मैं किसान का बेटा था । हमेशा खेती के काम में लग रहा हूं ।
मैंने किसी विशेष पूजा -पाठ के लिए तो समय निकाला ही नहीं ।
अब आगे....

यमराज कुछ क्षण सोचते रहे । फिर चित्रगुप्त से बोले, "चित्रगुप्त इन सब के कर्मों का लेखा जोखा पढ़कर ही बता दो "।
चित्रगुप्त ने अपने बही खाते के पन्ने उल्टे-पुल्टे । ध्यान से सब कुछ पढ़ा ।
फिर राजा से बोले, " राजा का असली कर्तव्य होता है- प्रजा का पालन करना । आपने राज्य का विस्तार किया यश अर्जित करें को, प्रजा

के दुख हटाने को नहीं । अपनी मूर्तियों को सोने से मढ़वाया पर गरीब के बच्चे नंगे बदन घूमते रहे । अपनी यादगार के लिए इतनी बड़ी इमारत खड़ी करके बेसहारा लोग ठिठुरती रातें खुले आसमान के नीचे काटते रहे । आप सीधे स्वर्ग नहीं जा सकते हैं ।“

अब चित्रगुप्त साधु की ओर पलटे और बोले, “साधु बाबा आप घर तब छोड़ा जब आप के बूढ़े माता-पिता को आपकी सेवा की जरूरत थी । आप संसार के त्याग की बात करते हैं आप ने शास्त्रों का अध्ययन किया पर दरबार में अपनी खुशी भी ना जान सके उसमें समाधि बनवाकर पतित पावन का नाम रटते रहे ,पर खुद मनुष्य मनुष्य में भेद करते रहे । बेईमान व्यापारी के घर का भोजन खा लेते

और ईमानदार हरिजन का पानी नहीं पीते ।
आप सीधे स्वर्ग जाने के अधिकारी नहीं हैं ।“

शेष कल की कक्षा में ....

निर्देश- कहानी के दिए गए अंश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और संबंधित प्रश्नों के उत्तर दें-

1. *यमराज ने साधु से क्या कहा ?*
2. *यमराज के अनुसार राजा सीधे स्वर्ग क्यों नहीं जा सकता ?*

शेष कार्य कल की कक्षा में करेंगे ...